यतीन्द्रसूरि दीक्षा शताब्दी स्मारक ग्रन्थ(फोल्डर नं. ०१२०३६)

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

शुभकामना – सन्देशे -- १-४८

व्यक्तित्व-कृतित्व

वर्तमान सन्दर्भ में आचार्य देव का प्रवचनसाहित्य -- १

धरती पर सूरज उतरा --- ७

इतिहासज्ञ आचार्यदेव ---१३

कुशल प्रवचनकार आचार्य भगवन् -- १७

श्री अभिधान राजेन्द्र कोश और आचार्यश्री --२१

जीवन निर्माता गुरुदेव -- २५

आचार्यश्री का यात्रा-साहित्य – एक अनुशीलन ---३१

संयम पथ पर बढ़ते कदम -- ३९

शास्त्रार्थ में प्रवीण आचार्य देव -- ४५

आचार्य श्रीमद्विजययतीन्द्र सूरी जी द्वारा रचित साहित्य एक वर्गीकरण ------------------------ ४७

राग से वैराग्य की और --- ५०

जैनाचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरि --- ५३

आचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरि-विरचित -- ५७

भूगोलवेत्ता आचार्य श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी -- ६३

एक संकल्प-एक स्वप्न -- ६६

श्रीमद् यतीन्द्रसूरि-एक परिचय --- ६९

आचार्यश्री के प्रथम पुण्यदर्शन-- ७२

समाज-सुधारक आचार्य भगवन् -- ७६

पिताम्बर विजेता-यतीन्द्रसूरि --- ७९

आगम मर्मज्ञ आचार्य --- ८४

संघनायक आचार्य -- ८७

श्री यतीन्द्रसूरि दीक्षा शताब्दी -- ९५

भेदविज्ञान के ज्ञाता आचार्यश्री -- ९६

परिशिष्ट

श्री राजेन्द्रसूर्यभ्युदयावली --२

श्री राजेन्द्रसूरि जैन ग्रंथमाला ---३

श्री राजेन्द्र प्रवचन कार्यालय सीरिज -- ४

श्री यतीन्द्रसूरि-साहित्य माला -- ५

श्री सौधर्म त्रिस्तुतिक गुर्वावली -- ७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ग्रन्थनायक के चातुर्मास --८
ग्रन्थनायक द्वारा दीक्षा बड़ी दीक्षाएँ -- ९
ग्रन्थनायक द्वारा लिखित साहित्य -- ११
ग्रन्थनायक द्वारा प्रतिष्ठाएं एवं अंजनशलाकाएँ ---१३
ग्रन्थनायक द्वारा उपधानतप आराधना --- १५
ग्रन्थनायक द्वारा की निकाली गई तीर्थ यात्राएँ -- १६
मंगलाचरण -- १७
कलशबंद स्तुति --१८
यतीन्द्र सूरिस्वरः -- १९
अष्टकहार बन्धः -- २०
गीतिका छन्द मय प्रार्थना ---२१
शिखरणी-छन्दः ---२१
वसंततालिका छन्दः -- २२
उपेन्द्र वज्रा छन्दः --- २३
पञ्चचामर छन्दः -- २४
त्रिशन्मात्रिक चौपया छन्द -- २६
गुरुवन्दना -- २७
शार्दूल विक्रीडित छन्दः -- २८
मालिनी छन्दः -- २८
द्रुतविलम्बित वृत्तम् --- २९
क्षमास्वापराधम् -- २९
श्री यतीन्द्र-गरिमा -- ३०
शार्दुल विक्रीडित छन्द --३१
गुरुदेव स्तभः -- ३२
श्री गुरुवर --- ३२
स्वागत-स्तवक-गुच्छः --- ३४
गुरू-कीर्तनम् --- ३६
श्रीयतीन्द्र गुरु-गुणनुवादिः --- ३७
गुरुवन्दन् --- ३८
जयति-श्री यतीन्द्र -- ३८
क्षमापना स्तोत्रम् -- ३९
राग कल्याण ध्रुपद --- ४०
जैन आगम एवं साहित्य
अष्टप्रातिहार्य का सन्देश – साध्वी मणिप्रभाश्रीजी -- १
प्रति ग्राम नगर में सामायिक मंडल आवश्यक – साध्वी मणिप्रभाश्रीजी -------------------------३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अल्पा बहुत्व नु द्वारना अणणु व प्रकार ना – शांतिलालजी मूथा ------------------------------- ५
क्रिया – मुनि नरेन्द्रविजय -- १०
देवार्चन और स्नात्रपूजा – मुनि जिनेन्द्रविजय -- १७
आगमिक चूर्णिया और चूर्णिकार – डॉ. मोहनलाल महेता --- २४
प्राचीन दिगम्बराचार्य और उनकी साहित्य साधना – डॉ. रमेशचन्द्र जैन ---------------------- ४२
षट्प्रभृत का रचनाकार कौन और उसका रचनाकाल – डॉ. के. आर. चन्द्र -------------------- ६७
वसुदेव हिण्डी में वर्णित साध्वीयाँ – डॉ. रंजन सूरिदेव --- ७१
निर्युक्ति साहित्य-एक परिचय – डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय -- ७४
भाष्यकार-एक परिशीलन – समणि कुसुमप्रज्ञा --- ८३
छेदसूत्र एख अनुशीलन – मुनि दुलहराज -- ८८
भाष्य और भाष्यकार – डॉ. मोहनलाल महेता -- ९३
कीर्ति कौमुदी में प्रयुक्त छन्द – डॉ. अशोककुमार सिंह --- ९८
जैन आगमों की मूल भाषा-अर्धमागधी शौरसेनी – डॉ. सागरमल जैन ------------------------ १०२
प्राकृत महाकाव्यों में ध्वनितत्व – डॉ. रंजन सूरिदेव --- ११७
अर्धमागधी आगम साहित्य-एक विमर्श – डॉ. सागरमल जैन -------------------------------- १२३
आगम साहित्य में प्रकीर्णको स्थान महत्व – डॉ. सागरमल जैन ---------------------------- १६४
निर्युक्ति साहित्य-एक पूनर्चिन्तन – डॉ. सागरमल जैन --------------------------------------- १६९
आचारांगसूत्र-एक विश्लेषण – डॉ. सागरमल जैन --- १८३
रामपुत्त या रामगुप्त सूत्र-कृताङ्ग के सन्दर्भ में – डॉ. सागरमल जैन ------------------------- १९०
अंतकृतदशा की विषय वस्तु-एक पुनर्विचार – डॉ. सागरमल जैन ---------------------------- १९२
प्रश्न व्याकरण सूत्र की प्राचीन विषय वस्तु की खोज – डॉ. सागरमल जैन ------------------- १९६

जैन दर्शन

जैनयोग का तत्त्वमीमांसीय आधार – डॉ. सुधा जैन -- १
जैन दर्शन का परमाणुवाद – डॉ. लालचन्द जैन -- ९
जैन परमाणुवाद और विज्ञान – डॉ. रज्जनकुमार --- १७
संभाष्य तत्त्वार्थाधिगम सूत्र में प्रत्यक्षप्रमाण – डॉ. प्रकाश प्रमाण ----------------------------- २६
जैन तर्क में अनुमान – डॉ. वशिष्ठ नारायण सिंह -- ३९
जैन दर्शऩ में मानववादी-चिन्तन – डॉ. विजयकुमार --- ६२
आचार्य कुन्दकुन्द का मौलिक चिन्तन – डॉ. ऋषभचन्द्र जैन फौजदार ----------------------- ६८
जैन आचार में उत्सर्ग मार्ग और अपवाद मार्ग – डॉ. सागरमल जैन ------------------------- ७४
जैन धर्म में प्रायश्चित्त एवं दण्ड-व्यवस्था – डॉ. सागरमल जैन ------------------------------- ७७
नीति मानवता वादीसिद्धान्त और जैन आचार दर्शन – डॉ. सागरमल जैन--------------------- ८८
जैन आचार में अचेलकत्व और सचेलकत्व का प्रश्न – डॉ. सागरमल जैन --------------------- ९२
जैन नीति दर्शन की सामाजिक सार्थकता – डॉ. सागरमल जैन ------------------------------ १०७
श्रावक आचार की प्रासङ्गीकता का प्रश्न – डॉ. सागरमल जैन ------------------------------- ११४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

जैन धर्म

श्री नमस्कार महामंत्र – मुनि श्री देवेन्द्रविजयजी -- १
जैन धर्म में तीर्थंकर-एक विवेचन – डॉ. रमेशचन्द्र गुप्त -- २०
जैन तीर्थंकरों के लांच्छन – मुनि ऋषभचन्द्र विजय --- ५६
क्रान्तदर्शीशलाका पुरुष-भगवान महावीर – डॉ. रंजन सूरिदेव --------------------------------- ६०
ऋषभनाथ-श्रमण और ब्राह्मण संस्कृतियें के समन्वय सेतु – डॉ. रंजन सूरिदेव ---------------- ६४

जैन साधना एवं आचार

ब्रह्मचर्य तपोत्तमम् – आचार्य यतीन्द्रसूरिश्वरजी -- १
ब्रह्मचर्य-स्वरूप एवं साधना – उपाध्याय अमर मुनिजी --- ४
ब्रह्मचर्य – मुनि नरेन्द्र विजयजी --- ११
मंत्र की साधकता-एक विश्लेषण – श्री नन्दलाल जैन --१८
भारतीय चिन्तन में दान की महिमा – श्री बाबूलाल जैन ------------------------------------- २५
एक चिन्तन – डॉ. रज्जनकुमार --- २८
जैन योग में अनुप्रेक्षा – समणी नियोजिका मंगल प्रज्ञा ------------------------------------- ३२
जैन आचार संहिता – डॉ. सुधा जैन -- ३६
जैन न्याय में स्मृति प्रत्यभिज्ञान तथा तर्क – डॉ. वशिष्ट नारायण सिन्हा -------------------- ४७
जैन धर्म का त्रिविध साधना मार्ग – डॉ. सागरमल जैन -------------------------------------- ५५
जैन आगमों में समाधिमरण की अवधारणा – डॉ. सागरमल जैन ------------------------------- ६१
जैन धर्म में स्वाध्याय का अर्थ एवं स्थान – डॉ. सागरमल जैन ------------------------------ ६८
जैन साधना का आधार सम्यग्दर्शन – डॉ. सागरमल जैन ----------------------------------- ७२
जैन साधना में ध्यान – डॉ. सागरमल जैन -- ८८
जैन धर्म में पूजा विधान एवं धार्मिक अनुष्ठान – डॉ. सागरमल जैन ------------------------- १०७
पर्युषण पर्व-एक विवेचन – डॉ. सागरमल जैन --- ११७

इतिहास

जैन धर्म की परम्परा इतिहास के झरोखे से – डॉ. सागरमल जैन ------------------------------ १
प्राचीन मालवा के जैन विद्वान् और उनकी रचनाएँ – डॉ. तेजसिंह गौड़ ------------------------ ११
श्वेताम्बर सम्प्रदाय के गच्छों का सामत्य परिचय – डॉ. शिवप्रसाद ----------------------------१८
चैत्र गच्छ का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद --- ३२
इतिहास-लेखन की भारतीय अवधारणा – डॉ. असीमकुमार मिश्र ------------------------------ ५१
वैदिक एवं श्रमण वाङ्मय में नारी शिक्षा – डॉ. सुनीता कुमारि -------------------------------- ५७
पल्लीवाल गच्छ का इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद -- ६२
प्राचीन एवं अर्वाचीन त्रिस्तुतिक गच्छ – डॉ. शिवप्रसाद ------------------------------------- ७२
छाजहड़ गौत्रिय ओसवाल वंश का इतिहास – श्री भँवरलाल नाहटा --------------------------- १०३
जैसलमैर-पुरातात्त्विक तथ्य – श्री भँवरलाल नाहटा --११३
दक्षिण भारत का जैन पुरातत्व – डॉ. भागचन्द्र जैन --१२१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

कोरटाजी तीर्थ प्राचीन इतिहास – आचार्य श्री यतीन्द्रसूरि ------------------------------------ १३५
लक्ष्मणी तीर्थ इतिहास – मुनि श्री जयन्तविजयजी -- १३९
मरूधर और मालव के पांच तीर्थ – मुनि श्री देवेन्द्रविजयजी -------------------------------- १४२
आधुनिक सन्दर्भ में जैन धर्म
२१ वी सदी की प्रमुख समस्याएं और जैन दर्शन के परिप्रेक्ष में उनके समाधान – डॉ. सागरमल जैन -- १
अपराध एवं उपकार की आध्यात्मिक समझ से तनाव मुक्ति – डॉ. पारसमल जैन ---------------८
द्वन्द्व और उनका निवारण – डॉ. रामनारायण, डॉ. रज्जनकुमार ------------------------------ १४
चिकित्सा के प्रति समाज सांस्कृतिक उपागम – डॉ. रामनारायण, डॉ. रज्जनकुमार------------ २८
स्वास्थ्य और अध्यात्म – चंचलमल चोरड़िया -- ३६
अज्ञान सभी रोगों का मूल है – चंचलमल चोरड़िया --- ४०
जैन दर्शन में पर्यावरण संरक्षण – श्री कन्हैयालाल लोढ़ा ------------------------------------ ४४
आकाश की अवधारणा-आगमों के विशेष सन्दर्भ में – डॉ. विजयकुमार ----------------------- ५३
व्यसन मुक्त हो जीवन – डॉ. सागरमल जैन -- ५९
जैन धर्म की परम्परा इतिहास के झरोखे से – डॉ. सागरमल जैन ---------------------------- ६६
जैन इतिहास-अध्ययन विधि एवं मूल स्तोत्र – डॉ. सागरमल जैन ---------------------------- ७४
जैन धर्म का विलुप्त सम्प्रदाय यापनीय – डॉ. सागरमल जैन --------------------------------- ७८
समदर्शी आचार्य हरिभद्र – डॉ. सागरमल जैन -- ९०
आचार्य हेमचन्द्र-एक युगपुरुष – डॉ. सागरमल जैन-- ११४
जैन धर्म में तीर्थ की अवधारणा – डॉ. सागरमल जैन -------------------------------------- ११९
समाज एवं संस्कृति
जैन एकता का प्रश्न – डॉ. सागरमल जैन --- १
जैन धर्म में नारी की भूमिका – डॉ. सागरमल जैन -- ११
शुभः पुन्यस्य अशुभः पापस्य – डॉ. सागरमल जैन ---३१
English Division
Application of Anekantavada – Dr. Ramesh S Betai --1
On Mathematical Contents of jaina Prakrit Texts – A Brief Survey--------------------------- 14
Sadhna of Mahavira as Depicted in Upadhan Sruta – Dr. Ashokkumar Singh------------- 19
Exposition of Naya in jaina Philosophy – Dr. Ajit Shuk Deo Sharma ------------------------ 24
The Mystic Syllable Om – Dr. A. N. Jain-- 31
ગુજરાતી વિભાગ
વિનય – ડૉ. રમણલાલ ચી. શાહ -- ૧
પ્રભુ સાથેની ગોઠડીને માણિયે – આચાર્ય પ્રદ્યુમ્નવિજયજી ------------------------------------ ૧૦
જૈન ધાર્મિક સન્દર્ભ અને મધ્યકાલિન ગુજરાતી સાહિત્ય – ડૉ. કાન્તિભાઈ સી. શાહ --------------૧૨
જૈન સાહિત્યમા હેમ કુમાર પાલ સંબંધિત રૂપક કથાઓં – ડૉ. પ્રહ્લાદ પટેલ --------------------- ૧૬
અતિચાર અને ભારતીય ફોજધારી ધારો – ડૉ. કવિન શાહ ------------------------------------ ૨૦

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

મોહનવિજય કૃત ચન્દ રાજાનોં રાસ – ડૉ. કીર્તિદા જોશી ------------------------------------- ૨૭
અગડ઼ દત્ત કથા – શ્રીમતિ કલ્પના કનુભાઈ સેઠ ---૩૩
સાધુ સન્તોની વાણીયાં પ્રગટ થતિ વિન સમ્પ્રાદિતા અને સામાજિક સંવાદિતા– ડૉ.
કનુભાઈ સેઠ --- ૩૯
દીક્ષાના પ્રકારો – સાધ્વી શ્રી મોક્ષગણાશ્રીજી --- ૪૩
આર્ય વજ્રસ્વામી – ડૉ. તારાબેન રમણલાલ શાહ -- ૪૮

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org